

भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2708 जिसका उत्तर
मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 (20 श्रावण, 1948 (शक)) को दिया जाना है

माल के परिवहन के लिए अंतर्देशीय जलमार्गों की क्षमता

2708 श्री नारायण दास गुप्ता:

क्या पत्तन पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) विगत पांच वर्षों के दौरान प्रमुख पत्तनों द्वारा प्रहस्तन किए गए कार्गो का पत्तन-वार ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या सरकार ने माल के परिवहन हेतु अंतर्देशीय जलमार्गों की क्षमता का आकलन किया है;
- (ग) सागरमाला कार्यक्रम के अतर्गत कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति क्या है; और
- (घ) पत्तनों के आधुनिकीकरण के माध्यम से संभार-तंत्र संबंधी लागतों में कमी लाने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): विगत पांच वर्षों के दौरान महापत्तनों द्वारा हैंडल किए गए कार्गो का पत्तन-वार विवरण **अनुबंध - I** में दिया गया है।

(ख): सरकार द्वारा 111 अंतर्देशीय जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग (रा.ज.) घोषित किया है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूआई) ने घोषित राष्ट्रीय जलमार्गों के माल परिवहन की क्षमता का आकलन करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन किया है और व्यावहारिक राष्ट्रीय जलमार्गों के प्रचालन हेतु विकास गतिविधियां शुरू की हैं। वर्तमान में कुल 32 राष्ट्रीय जलमार्गों को चालू किया गया है और 2025-26 के दौरान इन राष्ट्रीय जलमार्गों पर 218 मिलियन टन (एमटी) का परिवहन किया गया है।

(ग): सागरमाला योजना के तहत स्तंभ-वार पूरी की गई और कार्यान्वयन के अधीन परियोजनाओं का विवरण **अनुबंध - II** में दिया गया है।

(घ): मंत्रालय ने महापत्तनों की क्षमता बढ़ाने, प्रचालन का मशीनीकरण और आधुनिकीकरण करने, संपर्कता में सुधार करने, लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और वैश्विक व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने के लिए कई पत्तन आधुनिकीकरण और अवसंरचना विकास पहलें शुरू की हैं। परिणामस्वरूप, महापत्तनों का औसत टर्नअराउंड समय वर्ष 2014-15 के 96 घंटों से कम होकर वर्ष 2025-26 में 48.8 घंटे हो गया है। इसके अतिरिक्त, सभी पत्तनों पर पत्तन प्रक्रियाओं को मानकीकृत और सरल बनाने के लिए 'एक राष्ट्र एक पत्तन प्रक्रिया' (ओएनओपी) को लागू किया गया है, जिससे प्रचालन दक्षता में वृद्धि हुई है और जलयानों का टर्नअराउंड समय कम हुआ है।

विगत पांच वर्षों के दौरान महापत्तनों पर हैंडल किए गए कार्गो का पत्तन-वार विवरण

(मिलियन टन में)

पत्तन	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25	2025-26
दीनदयाल पत्तन	127.10	137.56	132.37	150.16	160.11
मुंबई पत्तन	59.89	63.61	67.26	68.63	75.15
जवाहरलाल नेहरू पत्तन	76.00	83.86	85.82	92.12	102.01
मुरगांव पत्तन	18.46	17.33	20.62	18.13	21.01
नव मंगलूर पत्तन	39.30	41.42	45.71	46.01	50.05
कोचिन पत्तन	34.55	35.26	36.32	37.75	38.06
वी. ओ. चिदंबरनार	34.12	38.04	41.40	41.72	43.31
चैन्ने पत्तन	48.56	48.95	51.60	54.96	57.90
कामराजार पत्तन	38.74	43.51	45.28	48.41	49.08
विशाखापट्टणम पत्तन	69.03	73.75	81.09	82.62	91.17
पारादीप पत्तन	116.13	135.36	145.38	150.41	156.45
श्यामा प्रसाद मुखर्जी पत्तन	58.18	65.66	66.39	63.95	70.87
समग्र	720.05	784.31	819.23	854.86	915.17

**सागरमाला योजना के तहत शुरुआत (2015) से पूर्ण की गई और कार्यान्वयनाधीन
परियोजनाओं का स्तंभ-वार विवरण**

	पूर्ण			कार्यान्वयनाधीन		
स्तंभ	परियोजनाओं की सं.	परियोजना लागत (करोड़ रु. में)	एमओपीएसडब्ल्यू का हिस्सा (करोड़ रु. में)	परियोजनाओं की सं.	परियोजना लागत (करोड़ रु. में)	एमओपीएसडब्ल्यू का हिस्सा (करोड़ रु. में)
तटीय सामुदायिक विकास	19	1,912.56	376.58	24	2,148.35	813.54
तटीय पोत परिवहन और आईडब्ल्यूटी	25	1,178.54	546.13	17	1,167.68	503.51
पत्तन संपर्कता	17	1413.21	323.69	3	201.29	82.88
पत्तन आधुनिकीकरण	18	870.20	552.67	6	160.81	86.49
कुल योग	79	5,374.51	1,799.07	50	3,678.13	1,486.41
